वर्ष 2013–14 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा सार्थक कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इस उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार अधिकारियों के लिए "सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन" तथा कर्मचारियों के लिए "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी" प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं।

संस्थान में हो रहे हिंदी कार्यों का जायजा लेने के उद्देश्य से विभिन्न प्रभागों एवं अनुभागों तथा क्षेत्रीय केंद्रों का समय–समय पर राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में हाल ही में संस्थान के 6 प्रभागों तथा 15 अनुभागों का निरीक्षण किया गया तथा राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में पाई गई कमियों को दूर करने के उपाय सुझाए गए।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की माहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में लाया जा रहा है।

वर्ष 2013–2014 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

1). चंडीगढ़ में दिनांक 31 मार्च, 2014 को आयोजित उत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में श्री के.पी. शर्मा, श्री प्रदीप कुमार उनियाल एवं श्री पवन कुमार को नामित किया गया।

2). नराकास के सदस्यी संगठनों के लिए दिनांक 28 मार्च, 2014 को आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में श्री के.पी. शर्मा, श्री प्रदीप कुमार उनियाल एवं श्री पवन कुमार को नामित किया गया।

3). 25 मार्च, 2014 को ''भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग'' तथा ''प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग'' विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन कराया गया जिसमें संस्थान के कुल 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

4). संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 13 मार्च, 2014 को आयोजित 57वीं बैठक की अध्यक्षता की तथा राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा के साथ–साथ इसके प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की।

5). 28 जनवरी, 2014 को बी.एच.ई.एल. हरिद्वार में नराकास की अर्धवार्षिक बैठक में श्री के.पी. शर्मा, श्री पी.के. उनियाल एवं श्री पवन कुमार को नामित किया।

6). ''जल चेतना'' पत्रिका के खंड 3, अंक 1 का प्रकाशन कार्य सम्पन्न कराया गया।

7). 19 दिसम्बर, 2013 को संस्थान के नव–नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए ऑरीएन्टेशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के तहत राजभाषा प्रभारी द्वारा हिन्दी प्रकोष्ठ का प्रस्तुतीकरण करवाया।

8). 18 दिसम्बर, 2013 को नराकास द्वारा आई.डी.पी.एल. ऋषिकेश में हिंदी निबन्ध प्रतियोगिता हेतु संस्थान के 09 कर्मचारियों को नामित किया।

9). संस्थान में दिनांक 10 दिसंबर, 2013 को ''भारत सरकार की राजभाषा नीति'' एवं ''हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में टाइपिंग के लिए आइलिट सॉफ्टवेयर का प्रयोग'' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन करवाया।

10). संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2012–13 को तैयार करवाकर उसका हिंदी रूपांतरण करवाया।

11). 9 अक्टूबर, 2013 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 56वीं बैठक की अध्यक्षता कर राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की।

12). 15 सितंबर, 2013 को तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' (जुलाई अंक) एवं गृह पत्रिका'' प्रवाहिनी'' के 20वें अंक का विमोचन हिन्दी दिवस समारोह में किया।

13). संस्थान में दिनांक 16 अगस्त से 15 सितंबर, 2013 तक हिंदी मास का आयोजन करवाया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं समापन समारोह में प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

14). 15 अगस्त, 2013 को संस्थान के 09 कर्मचारियों को मूल टिप्पण, आलेखन प्रोत्साहन योजना के तहत पुरस्कृत किया।

15). 14 अगस्त, 2013 को मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में प्रतिभाग किया तथा रा.ज.सं. के हिन्दी कार्यों का ब्यौंरा प्रस्तुत किया।

16). नराकास में दिनांक 07 अगस्त, 2013 तथा 28 जनवरी, 2014 को आयोजित अर्धवार्षिक बैठकों एवं पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. रमा मेहता, राजभाषा प्रभारी, श्री के.पी. शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री पवन कुमार, आशुलिपिक को प्रतिभागिता हेतु नामित किया।

17). महिलाओं एवं स्कूली बच्चों के लिए दिनांक 28 जून, 2013 को "जल एवं जल संरक्षण" विषय पर एन.आई.एच. आवासीय कॉलोनी, जल विहार, ब्रहमपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करवायी जिसमें 40 महिलाओं एवं 50 स्कूली बच्चों ने प्रतिभाग किया।

18). संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 24 जून, 2013 को 55वीं बैठक आयोजित करवाई एवं राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की।

19). न.रा.का.स. हरिद्वार द्वारा दिनांक 29 मई, 2013 को किए गए राजभाषा संबंधी कार्यों के निरीक्षण को संपन्न करवाया।

20). नराकास हरिद्वार की विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागिता हेतु संस्थान के पदाधिकारियों को समय–समय पर प्रोत्साहित किया जाता है इसी क्रम में दिनांक 29 मई, 2013 को सी.बी.आर. आई. रूड़की में आयोजित पत्र/परिपत्र एवं टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता में संस्थाान की ओर से श्री पी.के. अग्रवाल, वैज्ञानिक 'बी', श्री एन.आई. सिद्दकी, पी.ए. एवं श्री एन. के. वार्ष्णेय, ड्राफ्ट्समैन ग्रेड–प्रथम को प्रतिभाग हेतु नामित किया।

21). रा.ज.सं. के 6 प्रभागों एवं 15 अनुभागों का दिनांक 29 अप्रैल, 2013 से मई 2013 तक विभिन्न तिथियों में राजभाषा संबंधी कार्यों का निरीक्षण राजभाषा प्रभारी से करवाया गया।